10.06.25 पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण के नाम से अलग-अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई।
कोई उपस्थित नहीं।
इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण अपने प्रार्थना-पत्र को लेकर गंभीर नहीं हैं।
लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र अदम पैरवी व 'अदम हाजिरी में खारिज किया जाता है।
पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो व नंबर से कम हो।

10/06/25

सहायक कलक्टर
(SDO), बाड़मेर